इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, मंगलवार, 13 जनवरी 2026
वर्ष 18 अंक 131 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।
- चाणक्य

तापमान - अधिकतम 21.6°C (+0.9) न्यूनतम 086.6°C(-0.5) सेंसेक्स 83,878.17 (+301.93) निफ्टी 25,790.25 (+106.95) सोना 1,42,300 चांदी 2,70,000 मुद्रा - डालर 90.14 दिरहम 24.54 रियाल 24.03

मुख्यमंत्री ने एरा की एआई आधारित तकनीक को सराहा

- स्टाल पर जाकर लीं नवीनतम नवाचारों की जानकारियां
- केन्द्रीय मंत्री व डिप्टी सीएम भी रहें मौजूद

सम्मेलन के दौरान एरा के स्टॉल का अवलोकन करते मुख्यमंत्री व अन्य

लखनऊ (ब्यूरो)। देश में पहली बार लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय एआई एवं स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन के पहले दिन सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एआई आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री एरा यूनिवर्सिटी और क्राइटेरियन टेक के स्टॉल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने शिक्षण, प्रशिक्षण और हेल्थकेयर ट्रीटमेंट से जुड़े एआई नवीनतम नवाचारों की जानकारियां हासिल की एवं उसकी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने वहां प्रदर्शित हेल्थ कियोस्क मशीन, एआई रीयल टाइम रिमोट मॉनिटरिंग डैशबोर्ड,एआई रेडियोलॉजी रिपोर्ट और एनाटमी टेबल सहित एरा विश्वविद्यालय की विभिन्न उपकरणों की बारीकियों को समझा। क्राइटेरियन टेक के प्रबंधक शशांक सिंह और इसरार ने मुख्यमंत्री को एआई आधारित सभी तकनीकों से आवगत कराया। मुख्यमंत्री के साथ केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद , उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा और मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी सहित कई अधिकारी मौजूद थे। बाद में भी अवनीश अवस्थी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अमित कुमार घोष और सीएमओ लखनऊ सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं देश भर से विशेषज्ञों ने एरा विश्वविद्यालय की स्टाल का भ्रमण किया तथा एआई आधारित इनोवेशन की सराहना की। क्राइटेरियन टेक के प्रबंधक शशांक सिंह ने बताया कि एआईए मशीन लर्निंग, डिजिटल हेल्थ, टेलीमेडिसिन और स्मार्ट मेडिकल सेवाओं को लेकर एरा विश्वविद्यालय ने काफी कार्य किया है। मुख्यम्रंत्री ने इस दिश में एरा के पहल की सराहना की है। इन एआई तकनीकों का इस्तेमाल एरा लखनऊ मेडिकल कालेज में हो रही है। वहीं भविष्य के जरुरतों के अनुसार एआई आधारित शोध जारी भी है।